केंद्रीय विद्यालय , जोशीमठ
अर्धवार्षिक परीक्षा 2021-22

विषय – हिंदी कक्षा -11 अंक- 40 अंक समय -90 मिनिट

विद्यार्थी का नाम...अनुक्रमांक.............................

प्रश्न.1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिये | (1X10=10अंक)

हमारे भारत का हर त्योहार और उत्सव सिर्फ मौज-मस्ती नहीं ,अपितु सांस्कृतिक,सामाजिक और वैज्ञानिक आधारों की कसौटी पर खरा उतरता है । हम खेतीहर संस्कृति वाले भारतवासी आज भी विजयदशमी पर नये जौ के अंकुर अपने मस्तक पर धारण करते हैं और उसे जय का प्रतीक मानते हैं । आने वाली नई फसल के अंकुर से हम अपनी विजय यात्रा का प्रारम्भ करते हैं । विजयदशमी के दिन लोग नीलकंठ पक्षी के दर्शन करना चाहते हैं ,इसमें हम विषपायी शिव का दर्शन करते हैं । आत्मजयी जब विजय के लिए निकलता है तो उसे अपयश, असफलता, संघर्ष और लोकनिन्दा का गरल पीकर ही अपने को विजयलक्ष्य तक पहुँचना होता है ।

दीपावाली पर अमावस की रात सबसे गहरी होती है । पावस के चार महीनों का सारा तमस असंख्य कीट-पतंग बनकर छोटे-छोटे दीयों के प्रकाश में जल जाता है । यह प्रतीक है कि आत्मा के तेज और सात्विकता में जलकर तमस का विनाश अवश्य होगा । पूर्वी भारत में यह कालीपूजा के रूप में मनाया जाता है। काली मोह और मद को जड़ से नाश करने वाली शक्ति हैं। इसी दिन व्यापारी नई बही- खाते पूजते हैं। दिए अपनी काँपती लौ से बताते है कि सत्य का कोई आवरण नहीं होता,यदि है तो उसे दूर करने का आह्वान करता है –"प्रकाश के देवता सत्य का मुख सुनहरे ढक्कन से ढका है,उसे उतार कर प्रकाश को फैलाने दो" तभी इसे भारत के नामी शिक्षण संस्थान केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा ध्येय वाक्य के रूप में अपनाया गया है ।

आज व्यावसायिकता बढ़ने के साथ साथ दिखावे के वशीभूत हो हम सोने-चाँदी के दिए, बिजली की झालर और मोमबत्ती जलाने लगे हैं परन्तु आज भी हमारे घर की नारियाँ मिट्टी के दीयों और धान के खील-बतासों से ही लक्ष्मी की पूजा करती हैं ।

अभी भी हमारी संस्कृति का एक रूप इन गृहिणियों के हाथों में सुरक्षित है और यह हमारा कर्तव्य बनता है कि अपने तीज-त्योहारों का यह सामाजिक और वैज्ञानिक महत्त्व हम अपनी अगली पीढ़ी में गौरव के साथ हस्तांतरित करें ।

(1) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक होगा –

क. त्योहारों का महत्त्व ख.एकता का महत्त्व

ग. किसान जीवन घ. इनमें से कोई नहीं

(2) विजयादशमी पर धारण किया जाने वाला अंकुरित जौ किस का प्रतीक होता है ?

क. शक्ति प्रदर्शन का ख. विजय का

ग. फसल का घ. धन का

(3) नीलकंठ के दर्शन को किससे जोड़ा जाता है ?

क. पक्षी के दर्शन से ख. राम के दर्शन से

ग. शिव के दर्शन से घ. इनमें से कोई नहीं

(4) अपयश, असफलता, संघर्ष और लोकनिन्दा का गरल पीकर कौन अपने विजयलक्ष्य तक पहुँचता है?

क. नेता ख . सैनिक ग. मनुष्य घ. आत्मजयी

(5) आत्मा के तेज और सात्विकता में जलकर किसका विनाश होता है ?

क. शत्रु का ख. पाप का ग. तमस का घ. इनमें से कोई नहीं

(6) मोह और मद को जड़ से नाश करने वाली शक्ति किसे माना गया है ?

क. दैवी शक्ति ख. काली माता ग. लक्ष्मी माता घ. सभी को

(7) "प्रकाश के देवता सत्य का मुख सुनहरे ढक्कन से ढका है, उसे उतार कर प्रकाश को फैलने दो" यह ध्येय वाक्य किस संगठन का है ?

क. एन.सी.ई.आर. टी. ख. केन्द्रीय विद्यालय संगठन
ग. नवोदय विद्यालय घ. सी.बी.एस.ई.

(8) अपने तीज-त्योहारों के सामाजिक और वैज्ञानिक महत्त्व के प्रति हमारा क्या दायित्व है ?

क. बेकार समझ कर भूल जाना चाहिए

ख. कभी-कभी मना लेना चाहिए

ग. अगली पीढ़ी को इन सबसे दूर रखना चाहिए

घ. अगली पीढी को संस्कार के रूप में सौंपना चाहिए

(9) 'गरल' का उचित विलोम शब्द होगा-

क. सरल ख. विष ग. अमृत घ. इनमें से कोई नहीं

(10) सात्विकता का समानार्थी शब्द क्या होगा ?

क. धार्मिक ख.आर्थिक ग. पवित्रता घ.बुध्दिमता

प्रश्न.2 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिये | (1X5=5अंक)

ज्योतिकलश छलके
हुए गुलाबी, लाल सुनहरे
रंगदल बादल के
ज्योतिकलश छलके
घर आँगन वन उपवन उपवन
करती ज्योति अमृत के सींचन
मंगल घट ढलके
ज्योतिकलश छलके
पात पात बिरवा हरियाला
धरती का मुख हुआ उजाला
सच सपने कल के
ज्योतिकलश छलके
उषा ने आँचल फैलाया
फैली सुख की शीतल छाया
नीचे आँचल के
ज्योतिकलश छलके
अंबर कुमकुम कण बरसाये
फूल पंखड़ियों पर मुस्काये
बिन्दु तुहिन जलके
ज्योतिकलश छलके

1. 'ज्योति कलश छलके' पंक्ति का भावार्थ है :-
क. ज्योति से भरा कलश हमेशा छलक़ता रहता है|
ख. सूर्योदय के साथ ही प्रकृति में प्रकाश छलक रहा है|
ग. प्रकृति प्रकाश के कलश को उड़ेल रही है|
घ. प्रकाशयुक्त कलश छलकने को तत्पर है|

2. उपर्युक्त काव्यांश में कवि किसके बारे में वर्णन कर रहा है?

क. पावसऋतु | ख. जनजीवन
ग. बादलों का उमड़ना | घ. पल-पल परिवर्तित प्रकृति चित्रण

3. 'घर आँगन वन उपवन-उपवन' में निहित अलंकार हैं;-

क. अनुप्रास–उत्प्रेक्षा | ख. अनुप्रास–पुनरुक्तिप्रकाश
ग. पुनरुक्तिप्रकाश–उपमा | घ. रूपक–अनुप्रास

4. 'सच सपने कल के' पंक्ति में कौनसा स्वर नहीं छिपा है?

क. आशावादी | ख. सकारात्मकता | ग. निराशावादी | घ. इनमें से कोई नहीं

5. प्रकृति से हमें क्या सीख लेनी चाहिए?

क. निरंतर आगे बढ़ते रहना | ख. परोपकारी बनना
ग.समानता का व्यवहार करना | घ. उपर्युक्त सभी

प्रश्न-3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यान से पढ़कर उनके उनके उत्तर दीजिए- **(1X5=5अंक)**

(1) निम्न में से द्वितीय क्रम पर कौनसा शब्द आयेगा?

(क) क्षेत्रीय (ख) क्लांत (ग) क्या (घ) केवल

(2) `ज्ञ` को निम्न में से किस वर्ग में ढूंढना चाहिए ?

(क) ज (ख) ग (ग) न (घ) झ

(3) निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द शब्दकोश में पहले आएगा –

(क) ग्रहण (ख) ग्लानि (ग) गुरु (घ) ग्रहीत

(4) शब्द-समूह में से कौनसा शब्द क्रमानुसार प्रथम क्रमांक पर आएगा –

(क) अंकित (ख) कंचन (ग) आंगन (घ) अंग

(5) हिंदी शब्दकोश में कौनसे शब्द को क्रमानुसार पहले क्रमांक पर होना चाहिए –

(क) मूल्य (ख) मुसकराहट (ग) मृग (घ) मेधा

प्रश्न-4. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के सही विकल्पों का चयन कीजिए- **(1X5=5अंक)**

अलोपीदीन ने जिस सहारे को कठोर चट्टान समझ रखा था, वह पैरों के नीचे से खिसकता हुआ मालूम हुआ | स्वाभिमान और धन ऐश्वर्य को कड़ी चोट लगी | किंतु अभी तक धन की सांख्यिकी शक्ति पर पूरा भरोसा था | लेकिन एक न चली | धर्म की इस बुद्धिहीन दृढ़ता और देव-दुर्लभ त्याग पर मन बहुत झुँझलाया | दोनों शक्तियों में संग्राम होने लगा | धन ने उछल –उछलकर आक्रमण करने शुरू किए | किंतु धर्म अलौकिक वीरता के साथ अकेला पर्वत की भांति अटल , अविचलित खड़ा था |

(1) पं.अलोपीदीन ने किस सहारे को चट्टान की भाँती समझ रखा था ?

(क) धर्म (ख) दोस्त (ग) धन (घ) पहुँच

(2) धन की सांख्यिकी शक्ति से क्या तात्पर्य है ?

(क) धन की गणना | (ख) धन की मात्रा-शक्ति का समानुपाती होना
(ग) धन की मात्रा | (घ) ये सभी

(3) देव-दुर्लभ त्याग किसे कहा गया है ?

(क) धर्म त्याग (ख) धन त्याग (ग) कर्तव्य त्याग (घ) अधिकार त्याग

(4) धर्म की वीरता किस प्रकार की थी ?

(क) बुद्धिहीन (ख) देव-दुर्लभ (ग) दोनों प्रकार की (घ) मूर्खतापूर्ण

(5) 'स्वाभिमान' शब्द का पर्यायवाची है -

(क) आत्माभिमान (ख) आत्मसम्मान (ग) पर-अपमान (घ) इनमे से कोई नहीं

प्रश्न-5. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़ कर निम्न प्रश्नों के सही विकल्पों का चयन कीजिए- (1X5=5अंक)

हम तौ एक –एक करि जानां |
दोइ कहैं तिनहीं कौ दोजग जिन नाहिंन पहिचानां ||
एकै पवन एक ही पानी एकै जोति समानां |
एकै खाक गढ़े सब भांडै एकै कोंहरा सांना ||
जैसे बाढी काष्ट ही काटें अग्नि न काटे कोई |
सब घटि अंतर तूँ ही व्यापक धरै सरूपे सोई ||
माया देखि के जगत लुभांना काहे रे नर गरबांना |
निरभै भया कछू नहिं ब्यापै कहै कबीर दिवांना ||

(1) कबीर ने ईश्वर के बारे में कौनसे मत को स्वीकार किया है ?

(क) एकेश्वरवाद (ख) बहुदेववाद (ग) द्वैताद्वेत्वाद (घ) विशिष्टाद्वैतवाद

(2) कबीरने ``जैसे बाढी काष्ट ही काटे अग्नि न काटे कोई`` पंक्ति के माध्य से क्या स्पष्ट करना चाहा है ?

(क) ईश्वर की सर्वव्यापकता को (ख) माया के प्रभाव को (ग) घमंड को (घ) इनमें से कोई नहीं

(3) कबीर के अनुसार व्यक्ति को घमंड कब होता है ?

(क) माया के वशीभूत होने पर (ख) धन आने पर (ग) पद प्राप्ति पर (घ) ताकत मिलने पर

(4) निर्भय होने पर क्या नहीं व्यापता ?

(क) माया प्रभाव (ख) ज्ञान (ग) धर्म (घ) घमंड

(5) ``दोइ कहैं तिनहीं कौ दोजग`` पंक्ति में कौनसा अलंकार है ?

(क) यमक (ख) रूपक (ग) अनुप्रास (घ) श्लेष

प्रश्न-6. पाठ्यपुस्तक पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यान से पढ़कर उनके उनके उत्तर दीजिए । (1X10=10अंक)

(1) मियाँ नसीरुद्दीन कैसे इंसान का प्रतिनिधित्व करते थे?

(क) चालाक इंसान का (ख) त्यागशील इंसान का

(ग) जो अपने पेशे को कला का दर्जा देते हैं (घ) जो अपने खानदान का नाम डुबोते हैं

(2) अखबार बनाने वाले और अखबार पढ़ने वाले दोनों को मियाँ नसीरुद्दीन ने क्या कहा था?

(क) कामकाजी (ख) निठल्ला (ग) ईमानदार (घ) बेईमान

(3) 'नमक का दारोगा' पाठ के अनुसार किस ईश्वर प्रदत्त वस्तु का व्यवहार करना निषेध हो गया था ?

(क) जल (ख) वायु (ग) नमक (घ) मिर्ची

(4) कबीर किस भक्ति धारा के संत कवि हैं **?**

(क) सगुण भक्ति धारा (ख) ज्ञानाश्रयी भक्ति धारा (ग) प्रेमाश्रयी भक्ति धारा (घ) सूफी भक्ति धारा

(5) कबीर ने ईश्वर के किस रूप को पहचान लिया है **?**

(क) द्वैत रूप को (ख) अद्वैत रूप को (ग) बहुऐश्वर रूप को (घ) इनमें से कोई नहीं

(6) कबीर ने जगत को कैसा बताया है **?**

(क) सच्चा (ख) झूठा (ग) ज्ञानी (घ) बौराना

(7) 'तदबीर' का क्या अर्थ होता है **?**

(क) ताकतवर (ख) बीमार (ग) उपाय (घ) तक़दीर

(8) मियाँ नसीरुद्दीन के दादा का क्या नाम था**?**

(क) मियाँ कल्लन (ख) मियाँ बरकत शाही (ग) मियाँ दादूदीन (घ) मियाँ सलमान अली

(9) अलोपीदीन का प्रस्ताव उनके किस भाव को प्रकट करता है **?**

(क) अहंकार (ख) प्रायश्चित (ग) प्रतिशोध (घ) धूर्तता

(10) अलोपीदीन क्या देखकर मूर्छित होकर गिर पड़े **?**

(क) हथकड़ियां (ख) पुलिस (ग) डाकू (घ) बदलू